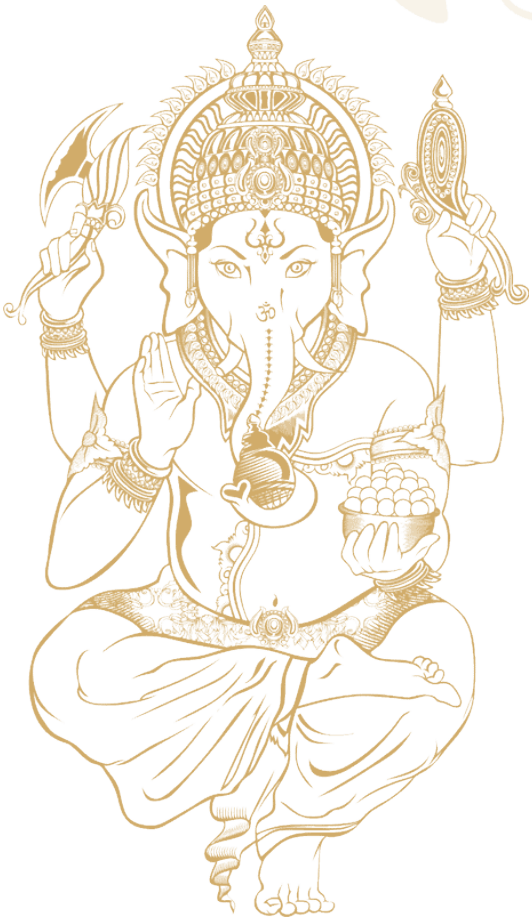

Mr. Pardeep

Ms. Anusha

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119794601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119794601 Date: 16/10/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/07/2001	जन्म तिथि	30/05/2003
रविवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 12:00:00	जन्म समय	17:10:00 घंटे
घटी 15:42:14	जन्म समय(घटी)	28:58:57 घटी
India	देश	India
Bhopal	स्थान	Andhra L
23:17:00 उत्तर	अक्षांश	18:55:00 उत्तर
77:28:00 पूर्व	रेखांश	73:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:08	स्थानिक संस्कार	-00:35:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:06	सूर्योदय	05:58:10
19:08:46	सूर्यास्त	19:08:15
23:52:26	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:01
कन्या	लग्न	तुला
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
मेष	राशि	वृष
मंगल	राशि-स्वामी	शुक्र
भरणी	नक्षत्र	कृतिका
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
1	चरण	4
धृति	योग	सुकर्मा
गर	करण	चतुष्पाद
ली-लीलाधर	जन्म नामाक्षर	ए-ऐश्वर्या
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
चतुष्पाद	वश्य	चतुष्पाद
गज	योनि	मेष
मनुष्य	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	गरूड़

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 15वर्ष 5मा 9दि		22:45:03	कन्या	लग्न	तुला	19:09:31	सूर्य 1वर्ष 3मा 10दि	
चन्द्र		28:58:06	मिथु	सूर्य	वृष	14:45:50	राहु	
24/12/2022		16:22:19	मेष	चंद्र	वृष	07:09:31	09/09/2021	
23/12/2032		21:23:21	वृश्चि व	मंगल	मक	27:48:52	09/09/2039	
चन्द्र	24/10/2023	09:02:48	मिथु	बुध	मेष	21:01:43	राहु	22/05/2024
मंगल	24/05/2024	06:37:44	मिथु	गुरु	कर्क	18:39:17	गुरु	15/10/2026
राहु	23/11/2025	16:38:25	वृष	शुक्र	मेष	23:07:59	शनि	21/08/2029
गुरु	25/03/2027	16:40:59	वृष	शनि	मिथु	05:31:30	बुध	10/03/2032
शनि	23/10/2028	12:22:34	मिथु	राहु व	वृष	05:36:30	केतु	28/03/2033
बुध	25/03/2030	12:22:34	धनु	केतु व	वृश्चि	05:36:30	शुक्र	28/03/2036
केतु	24/10/2030	00:09:13	कुंभ व	हर्ष	कुंभ	08:53:42	सूर्य	20/02/2037
शुक्र	24/06/2032	13:54:52	मक व	नेप व	मक	19:13:47	चन्द्र	21/08/2038
सूर्य	23/12/2032	19:03:36	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	24:58:42	मंगल	09/09/2039

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:52:26 चित्रपक्षीय अयनांश 23:54:01

लग्न-चलित

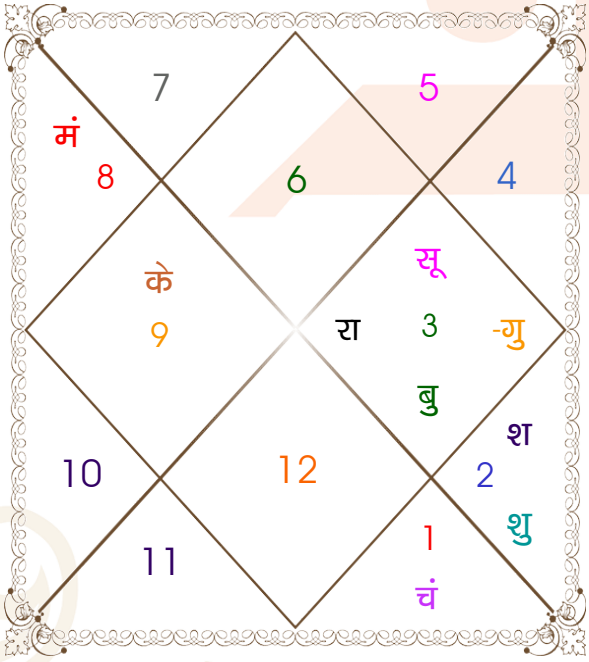

लग्न-चलित

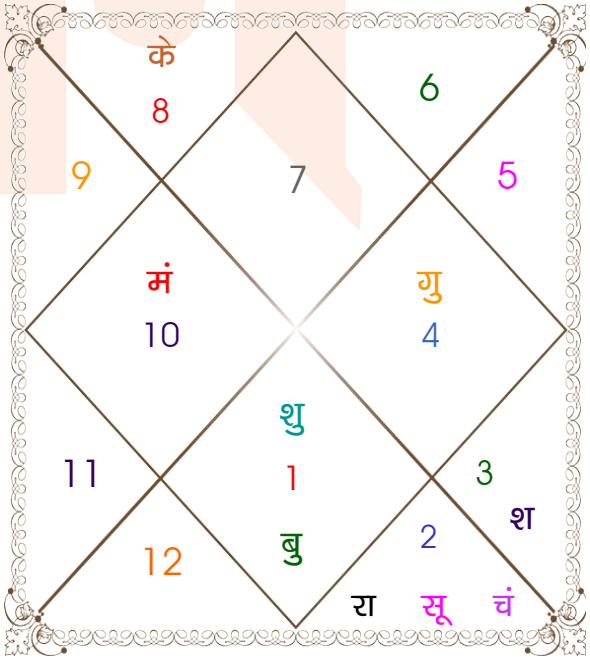

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

कुल : **20 / 36**

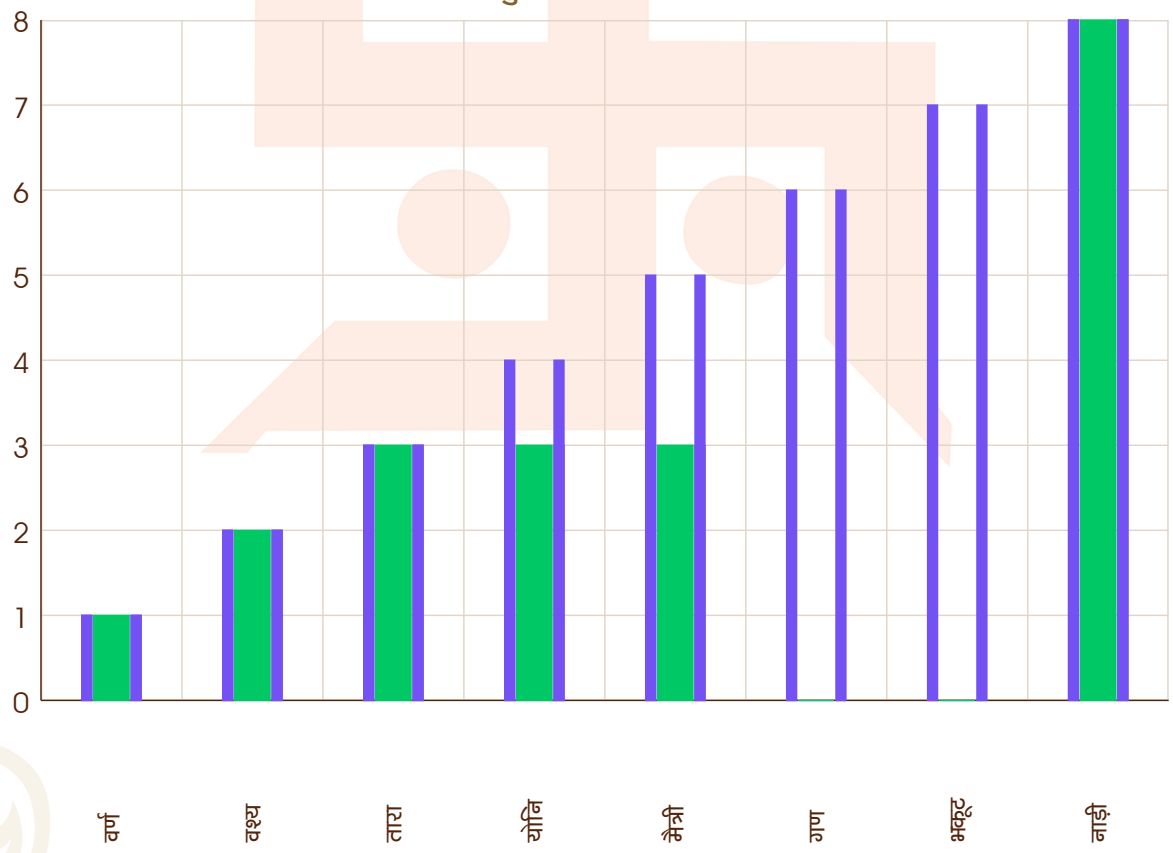

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतण ंतकममच का वर्ग मृग है तथा डेण ।दर्नों का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ंतकममच और डेण ।दर्नों का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ंतकममच मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

डेण ।दर्नों मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण ।दर्नों कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण ंतकममच कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण ंतकममच तथा डेण ।दर्नों में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण ंतकममच का वर्ण क्षत्रिय तथा डेण ।दर्नों का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश डेण ।दर्नों आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही डेण ।दर्नों की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

वश्य

डतण ंतकममच का वश्य चतुष्पद है एवं डेण ।दर्नों का वश्य भी चतुष्पद है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप डतण ंतकममच एवं डेण ।दर्नों दोनों के स्वभाव, पसंद एक समान होंगे तथा आपसी तालमेल काफी अच्छा रहेगा, जिससे परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता रहेगा। दोनों के बीच अत्यधिक प्रेम की भावना भी बनी रहेगी।

तारा

डतण ंतकममच की तारा अतिमित्र तथा डेण ।दर्नों की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। डतण ंतकममच हमेशा डेण ।दर्नों के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

डतण ंतकममच की योनि गज है तथा डेण ।दर्नों की योनि मेष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण ंतकममच एवं डेण ।दर्नों दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

डतण ंतकममच का गण मनुष्य तथा डेण ।दर्नों का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः डेण ।दर्नों का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण डतण ंतकममच एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

डतण ंतकममच से डेण ।दर्नों की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा डेण ।दर्नों से डतण ंतकममच की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण डतण ंतकममच गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। डेण ।दर्नों समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर डतण ंतकममच शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

डतण ंतकममच की नाड़ी मध्य है तथा डेण ।दर्नों की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण डतण ंतकममच एवं डेण ।दर्नों के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण ंतकममच की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त मेष राशि है तथा डेण ।दर्नों की राशि पृथ्वीतत्व युक्त वृष राशि है। चूंकि अग्नि एवं पृथ्वी में समानताएं कम एवं असमानताएं अधिक हैं अतः इनकी शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर विषमताएं विद्यमान रहेंगी जिससे ये समय समय पर व्यवधानों का सामना करेंगे। अतः डतण ंतकममच और डेण ।दर्नों दोनों को आपसी सांमजस्य एवं सहनशीलता के भाव को प्रदर्शित करना पड़ेगा तभी किंचित समता हो सकती है।

डतण ंतकममच की राशि मेष एवं डेण ।दर्नों की राशि वृष दोनों एक दूसरे की सम हैं। अतः राशि के प्रभाव से डतण ंतकममच परिश्रमी, पराक्रमी, शीघ्र आवेग में आने वाले, अपने को श्रेष्ठ समझने वाले, असंयत अधिक व्यय करने वाले, बातूनी तथा आशावादी प्रवृति के व्यक्ति होंगे परन्तु डेण ।दर्नों गम्भीर एवं अल्प भाषी, व्यावहारिक, अभिमानी तथा निराशावादी होंगी। इस प्रकार इनमें विषमताओं की प्रबलता रहेगी परन्तु एक दूसरे को समझने तथा परस्पर सामंजस्य से इसमें किंचित न्यूनता कर सकते हैं। आप दोनों की राशि एक दूसरे की राशि से द्वितीय-द्वादश में पड़ती है अतः इससे आपके व्यय में वृद्धि रहेगी फलतः आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

आप दोनों का वश्य चतुष्पाद है। अतः इसके प्रभाव से आपकी अभिरूचियां समान रहेंगी तथा दाम्पत्य सुख की प्राप्ति में परस्पर आकर्षण उत्साह एवं प्रसन्नता का भाव रहेगा जिससे एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में समर्थ रहेंगे। अतः जीवन में आपको शांति एवं सन्तुष्टि के क्षणों की प्राप्ति होगी।

डतण ंतकममच का वर्ण क्षत्रिय होने के कारण वह साहसी परिश्रमी एवं उत्साही व्यक्ति होंगे तथा कार्य क्षेत्र में परिश्रम एवं योग्यता से सफलता प्राप्त करेंगे। डेण ।दर्नों का वैश्य वर्ण होने के कारण व्यापारिक बुद्धि का प्रदर्शन करेंगी तथा बुद्धिमता से धनार्जन करेंगी तथा आर्थिक क्षेत्र में सुदृढ़ता प्रदान करने में उनका प्रमुख योगदान रहेगा।

धन

डेण ।दर्नों की तारा सम्पत तथा डतण ंतकममच की तारा अतिमित्र है। इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता बनी रहेगी। डेण ।दर्नों धनवान एवं भाग्यवान होंगी तथा डेण ।दर्नों के सौभाग्य से डतण ंतकममच की आर्थिक स्थिति नित्य उन्नति की ओर अग्रसर रहेगी। डतण ंतकममच और डेण ।दर्नों दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में स्थित है जो भकूट दोष माना जाता है। लेकिन मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया डतण ंतकममच और डेण ।दर्नों समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से डेण ।दर्नों की प्रवृति अत्यधिक व्ययशील होगी तथा भौतिक

साधनों में वह काफी व्यय करेंगी लेकिन उनकी सुदृढ़ आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा समस्त सुखों का उपभोग करते हुए इनका जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

स्वास्थ्य

डतण ंतकममच की नाड़ी मध्य तथा डेण ।दर्नों की नाड़ी अन्त्य है अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्यतया स्वास्थ्य अनुकूल ही रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से डतण ंतकममच का स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे वह रक्त तथा पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं हृदय रोग से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही दाम्पत्य जीवन में संभोग शक्ति की अल्पता का भी आभास होगा जिससे जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न होगी। अतः मंगल के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रहने के लिए डतण ंतकममच को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के व्रत भी करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण ंतकममच और डेण ।दर्नों का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण ंतकममच और डेण ।दर्नों के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में डेण ।दर्नों के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन डेण ।दर्नों को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में डेण ।दर्नों को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण ंतकममच और डेण ।दर्नों सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण ंतकममच और डेण ।दर्नों का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डेण ।दर्नों के अपनी सास से संबधों में अनुकूलता तथा मधुरता रहेगी तथा उनकी तरफ से डेण ।दर्नों किसी भी अनावश्यक समस्या या असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

डेण ।दर्नों के हृदय में उनके प्रति सेवा भाव रहेगा तथा अपनी सेवा के द्वारा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। यद्यपि यदा कदा इनके मध्य मतभेद या विवाद भी होंगे लेकिन यह अल्प समय के लिए होगा तथा सामान्यतया संबधों में मधुरता बनी रहेगी।

उनके ससुर से डेण ।दर्नों को विशेष स्नेह सम्मान तथा अनुकूलता प्राप्त नहीं होगी तथा के द्वारा डेण ।दर्नों को समय समय पर समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा लेकिन देवर एवं ननदों से डेण ।दर्नों के अत्यंत ही स्नेह एवं सौहार्द पूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे इन्हें पूर्ण सम्मान तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही परस्पर संबधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा आपसी समस्याओं तथा सुख दुख में एक दूसरे को अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस प्रकार डेण ।दर्नों के सास ससुर का दृष्टिकोण सामान्यतया अनुकूल नहीं रहेगा।

ससुराल-श्री

डतण ंतकममच के सास से सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में डतण ंतकममच के संबध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण डतण ंतकममच के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा डतण ंतकममच भी मधुर संबधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।